Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 07 April 2024

Dainik Jagran Page - 02, 10

एडवांस में सीट व सेक्शन वृद्धि करा सकेंगे कालेज

समयबद्ध सत्र संचालन के लिए गोवि प्रशासन ने कालेजों को दी बड़ी सहूलियत

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : अब अभ्यर्थियों में लोकप्रिय कालेजों को पहले चरण की प्रवेश प्रक्रिया के बाद मांग के अनुरूप सीट व सेक्शन वृद्धि के लिए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। पहले सेमेस्टर की परीक्षा तक प्रवेश प्रक्रिया नहीं चलानी पड़ेगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने ऐसे सभी कालेजों की संभावना के आधार पर एडवांस में सीट व सेक्शन वृद्धि का अवसर दिया है। इसके पीछे विश्वविद्यालय की मंशा सत्र का समयबद्ध संचालन सुनिश्चित करना है।

अब तक की व्यवस्था के अनुसार पहले चरण की प्रवेश प्रक्रिया के बाद जिन पाठ्यक्रमों में प्रवेश को लेकर कालेजों में ज्यादा डिमांड होती थी, उन पाठ्यक्रमों के लिए कालेज विश्वविद्यालय में सीट व सेक्शन वृद्धि का आवेदन देते थे। आवेदन पर विचार करने और सीट व सेक्शन वृद्धि की औपचारिकता पूरी करने में विश्वविद्यालय को काफी वक्त लग जाता था। ऐसे में कई कालेजों की प्रवेश प्रक्रिया पहले सेमेस्टर की परीक्षा नजदीक होने तक चलती रहती थी। इसका नतीजा यह होता था सीट वृद्धि के बाद प्रवेश लेने वाले विद्यार्थी देर में प्रवेश होने का हवाला देते हुए परीक्षा फार्म भरने और परीक्षा की तिथि बढ़ाने की मांग करते थे। इससे विश्वविद्यालय को नियमित सत्र संचालन में दिक्कत आती थी। इसी दिक्कत से बचने के लिए विश्वविद्यालय ने कालेजों से कहा कि जिन्हें भी यह लगता है कि उन्हें सीट व सेक्शन वृद्धि की जरूरत पड़ेगी, वह एडवांस में यह प्रक्रिया पूरी करा लें। इससे वह बढ़ी सीटों पर भी समय से प्रवेश ले सकेंगे। विश्वविद्यालय के इस निर्णय को कालेज प्रबंधन बड़ी सहूलियत मान रहे हैं और सीट वृद्धि के एडवांस आदेश को प्राप्त करने की तैयारी में लगे हैं।

गोरखपुर विश्वविद्यालय • जागरण

> मुझे जानकारी मिली है कि पिछले सत्रों के दौरान सीट व सेक्शन वृद्धि में देरी के चलते कालेजों में प्रवेश अक्टूबर-नवंबर तक चलते रहे। इससे समयबद्ध सत्र संचालन में दिक्कत आई। इसे देखते हुए ही इस सत्र से सीट व सेक्शन वृद्धि की अनुमति एडवांस में ही देने का निर्णय लिया गया है। कालेजों से इसके लिए संभावना के आधार पर जल्द से जल्द आवेदन के लिए कहा गया है।
>
> **प्रो. पूनम टंडन**, कुलपति, डीडीयू गोवि

कालेजों को काउंसिलिंग के लिए आमंत्रित कर रहा गोवि: गोरखपुर विश्वविद्यालय ने सीटों को भरने में कालेजों की मदद करने के लिए उन्हें काउंसिलिंग प्रक्रिया में शामिल होने का अवसर दिया है। यह अवसर ऐच्छिक है। काउंसिलिंग में शामिल होने के लिए अंतिम तिथि 10 अप्रैल निर्धारित की गई है।

काफी वक्त लग जाता था

अब तक रही व्यवस्था के अनुसार पहले चरण की प्रवेश प्रक्रिया के बाद जिन पाठ्यक्रमों में प्रवेश को लेकर कालेजों में ज्यादा डिमांड होती थी, उन पाठ्यक्रमों के लिए कालेज विश्वविद्यालय में सीट व सेक्शन वृद्धि का आवेदन देते थे। आवेदन पर विचार करने और सीट व सेक्शन वृद्धि की औपचारिकता पूरी करने में विश्वविद्यालय को काफी वक्त लग जाता था।

होती थी डेट बढ़ाने की मांग

ऐसे में कई कालेजों की प्रवेश प्रक्रिया पहले सेमेस्टर की परीक्षा नजदीक होने तक चलती रहती थी। इसका नतीजा यह होता था सीट वृद्धि के बाद प्रवेश लेने वाले विद्यार्थी देर में प्रवेश होने का हवाला देते हुए परीक्षा फार्म भरने और परीक्षा की तिथि बढ़ाने की मांग करते थे। इससे विश्वविद्यालय को नियमित सत्र संचालन में दिक्कत आती थी। इसी दिक्कत से बचने के लिए विश्वविद्यालय ने कालेजों से कहा कि जिन्हें भी यह लगता है कि उन्हें सीट व सेक्शन वृद्धि की जरूरत पड़ेगी, वह एडवांस में यह प्रक्रिया पूरी करा लें। इससे वह बढ़ी सीटों पर भी समय से प्रवेश ले सकेंगे। विश्वविद्यालय के इस निर्णय को कालेज प्रबंधन बड़ी सहूलियत मान रहे हैं और सीट वृद्धि के एडवांस आदेश को प्राप्त करने की तैयारी में लगे हैं।

परीक्षा शुल्क जमा करने के लिए आज अंतिम मौका

गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय और संबद्ध कालेजों के सत्र 2023-24 (सेमेस्टर परीक्षा) के स्नातक और परास्नातक के जिन विद्यार्थियों ने अभी तक परीक्षा शुल्क जमा नहीं किया है, उन्हें विश्वविद्यालय ने अंतिम मौका दिया गया है।

नाथपंथ विश्वकोश निर्माण के लिए बनेगी समिति

गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की गुरु गोरक्षनाथ शोधपीठ की ओर से 'नाथपंथ विश्वकोश' निर्माण की योजना बनाने और उसके क्रियान्वयन के लिए शनिवार को विश्वविद्यालय में एक बैठक आयोजित हुई। बैठक में तय हुआ कि नाथपंथ विश्वकोश के निर्माण के लिए एक सलाहकार समिति बनाई जाएगी। साथ ही विद्वानों की सूची तैयार की जाएगी।

बैठक में उप्र हिंदी संस्थान के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. सदानंद गुप्त ने विश्वकोश की योजना और उसके क्रियान्वयन के लिए अपने सुझाव दिए। (विज्ञप्ति)।

Amar Ujala Page - 04

परीक्षा शुल्क जमा करने का आज अंतिम मौका

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय और संबद्ध कॉलेजों के सत्र 2023-24 (सेमेस्टर परीक्षा) के स्नातक और परास्नातक के जिन छात्र-छात्राओं ने अभी तक परीक्षा शुल्क जमा नहीं किया है, उन्हें अंतिम मौका दिया गया है। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि सात अप्रैल को विश्वविद्यालय के सभी छात्र एवं कॉलेज शुल्क जमा करना सुनिश्चित करें। सेमेस्टर परीक्षाएं 15 अप्रैल से शुरू हो रही हैं। संवाद

सुपर-100 के खिलाड़ियों का ट्रायल 10 को

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय में गुरु गोरक्षनाथ स्पोर्ट्स फेलोशिप (सुपर-100) में चयनित खिलाड़ियों का ट्रायल 10 अप्रैल को होगा। दो बार तिथि बढ़ाने के बाद भी 22 में से 15 खिलाड़ियों ने ही प्रमाणपत्र जमा किया है।

राष्ट्रीय स्तर का खिलाड़ी होना 'सुपर-100' में प्रवेश का मानक था, लेकिन इसकी अनदेखी की गई थी। इन खिलाड़ियों को 18 मार्च को प्रमाणपत्र जमा करने का निर्देश मूल्यांकन समिति द्वारा दिया गया था। उस दिन कुल 11 खिलाड़ियों ने ही प्रमाणपत्र जमा किया। उसके बाद दो बार तिथि विस्तारित की गई। इस दौरान कुल 4 अन्य विद्यार्थियों ने ही प्रमाणपत्र जमा किया। संवाद

संस्कृत से रोजगार एवं व्यक्तित्व निर्माण दोनों संभव : प्रो. संतोष

गोरखपुर। संस्कृत से रोजगार एवं व्यक्तित्व निर्माण दोनों संभव है। संस्कृत भाषा एवं शास्त्र में विशेष योग्यता प्राप्त करने के लिए आवश्यक है कि ग्रंथों का प्रतिदिन पारायण किया जाए तथा भाषा के रूप में संस्कृत का निरंतर प्रयोग हो।

ये बातें जवाहरलाल नेहरू केंद्रीय विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के संस्कृत एवं प्राच्य अध्ययन केंद्र के आचार्य प्रो. संतोष शुक्ल ने शनिवार को गोरखपुर विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग में आयोजित व्याख्यान में बतौर मुख्य वक्ता कहीं। उन्होंने छात्रों के सवालों के जवाब भी दिए। इससे पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. कीर्ति पांडेय व समन्वयक डॉ. लक्ष्मी मिश्रा ने अतिथि का स्वागत किया। संवाद

Inext Page - 02

अब एडवांस में सीट व सेक्शन वृद्धि करा सकेंगे कई कालेज

GORAKHPUR (6 April): अब अभ्यर्थियों में लोकप्रिय कालेजों को पहले चरण की प्रवेश प्रक्रिया के बाद मांग के अनुरूप सीट व सेक्शन वृद्धि के लिए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी. पहले सेमेस्टर की परीक्षा तक प्रवेश प्रक्रिया नहीं चलानी पड़ेगी. विश्वविद्यालय प्रशासन ने ऐसे सभी कालेजों की संभावना के आधार पर एडवांस में सीट व सेक्शन वृद्धि का अवसर दिया है. इसके पीछे विश्वविद्यालय की मंशा सत्र का समयबद्ध संचालन सुनिश्चित करना है.

काफी वक्त लग जाता था

अब तक रही व्यवस्था के अनुसार पहले चरण की प्रवेश प्रक्रिया के बाद जिन पाठ्यक्रमों में प्रवेश को लेकर कालेजों में ज्यादा डिमांड होती थी, उन पाठ्यक्रमों के लिए कालेज विश्वविद्यालय में सीट व सेक्शन वृद्धि का आवेदन देते थे. आवेदन पर विचार करने और सीट व सेक्शन वृद्धि की औपचारिकता पूरी करने में विश्वविद्यालय को काफी वक्त लग जाता था.

होती थी डेट बढ़ाने की मांग

ऐसे में कई कालेजों की प्रवेश प्रक्रिया पहले सेमेस्टर की परीक्षा नजदीक होने तक चलती रहती थी. इसका नतीजा यह होता था सीट वृद्धि के बाद प्रवेश लेने वाले विद्यार्थी देर में प्रवेश होने का हवाला देते हुए परीक्षा फार्म भरने और परीक्षा की तिथि बढ़ाने की मांग करते थे. इससे विश्वविद्यालय को नियमित सत्र संचालन में दिक्कत आती थी. इसी दिक्कत से बचने के लिए विश्वविद्यालय ने कालेजों से कहा कि जिन्हें भी यह लगता है कि उन्हें सीट व सेक्शन वृद्धि की जरूरत पड़ेगी, वह एडवांस में यह प्रक्रिया पूरी करा लें. इससे वह बढ़ी सीटों पर भी समय से प्रवेश ले सकेंगे. विश्वविद्यालय के इस निर्णय को कालेज प्रबंधन बड़ी सहूलियत मान रहे हैं और सीट वृद्धि के एडवांस आदेश को प्राप्त करने की तैयारी में लगे हैं. गोरखपुर विश्वविद्यालय ने सीटों को भरने में कालेजों की मदद करने के लिए उन्हें काउंसिलिंग प्रक्रिया में शामिल होने का अवसर दिया है. यह अवसर ऐच्छिक है. काउंसिलिंग में शामिल होने के लिए अंतिम तिथि 10 अप्रैल निर्धारित की गई है. पाठ्यपरिक कोर्स की काउंसिलिंग के लिए प्रति पाठ्यक्रम 20 हजार और व्यावसायिक पाठ्यक्रम के लिए प्रति पाठ्यक्रम 50 हजार रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है. कम से कम दो पाठ्यक्रम के काउंसिलिंग में शामिल होने की शर्त रखी गई है.

> मुझे जानकारी मिली है कि पिछले सत्रों के दौरान सीट व सेक्शन वृद्धि में देरी के चलते कालेजों में प्रवेश अक्टूबर-नवंबर तक चलते रहे. इससे समयबद्ध सत्र संचालन में दिक्कत आई. इसे देखते हुए ही इस सत्र से सीट व सेक्शन वृद्धि की अनुमति एडवांस में ही देने का निर्णय लिया गया है. कालेजों से इसके लिए संभावना के आधार पर जल्द से जल्द आवेदन के लिए कहा गया है.
>
> **प्रो. पूनम टंडन**, कुलपति, डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय

Rashtriya Sahara Page - 07

केवल संस्कृत से ही रोजगार व व्यक्तित्व निर्माण संभव

- संस्कृत विभाग डीडीयू में व्याख्यान
- विद्यार्थियों की संस्कृत से सम्बन्धित जिज्ञासाओं को भी किया गया शान्त

गोरखपुर(एसएनबी)। संस्कृत भाषा के अध्ययन द्वारा भी छात्र उन सभी प्रतियोगी परीक्षाओं मे सफल हो सकते हैं जिन परीक्षाओं में अन्य विषयों के अध्ययन से सफलता संभव है। उक्त बातें प्रो. संतोष कुमार शुक्ल वरिष्ठ आचार्य जवाहरलाल नेहरू केंद्रीय विश्वविद्यालय नई दिल्ली ने कहीं। वे संस्कृत एवं प्राच्य अध्ययन केंद्र के संस्कृत एवं प्राकृत भाषा विभाग में छात्रों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने संस्कृत के अध्ययन के दोहरे लाभ की ओर संकेत करते हुए कहा कि शेष विषयों का व्यक्तित्व निर्माण में कोई विशेष योगदान नहीं होता जब कि केवल संस्कृत भाषा ही है, जो व्यक्तित्व निर्माण तथा अन्य बहुत से रोजगार के अवसर उपलब्ध कराती है।

उन्होंने छात्रों को बताया कि संस्कृतभाषा एवं शास्त्र में विशेष योग्यता प्राप्त करने के लिए आवश्यक है कि ग्रन्थों का प्रतिदिन पारायण किया जाये तथा भाषा के रूप में संस्कृत का निरंतर प्रयोग हो। छात्रों के लिए यह दोनों ही कार्य उन्हें इस प्राचीन विद्या मे दक्ष करने में परम सहायक होंगे।

संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित इस एकल व्याख्यान में प्रो शुक्ल का परिचय देते हुए समन्वयक डॉ लक्ष्मी मिश्रा और अधिष्ठाता कला संकाय एव विभागाध्यक्ष प्रो .कीर्ति पांडे ने प्रो. शुक्ला का माल्यार्पण एवं उत्तरीय और स्मृतिचिन्ह प्रदान कर विभाग की ओर से स्वागत किया। इस अवसर परविभाग के सभी शिक्षक तथा बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित रहे।

Hindustan Page - 05 , 09

नाथपंथ विश्वकोष निर्माण के लिए बनेगी समिति

गोरखपुर। डीडीयू के महायोगी गुरु गोरक्षनाथ शोधपीठ द्वारा 'नाथपंथ विश्वकोष' निर्माण की योजना और क्रियान्वयन के लिए कुलपति प्रो. पूनम टंडन की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में तय हुआ कि नाथ पंथ विश्वकोष के निर्माण के लिए एक सलाहकार समिति बनाई जाएगी।

कुलपति ने बताया कि विद्वानों की सूची भी तैयार की जाएगी। यह विश्वकोष हिन्दी भाषा में तैयार किया जाएगा। बाद में इसका अनुवाद अन्य भाषाओं में किया जाएगा। वह कई खंडों में तैयार किया जाएगा। बैठक में प्रो. सदानंद गुप्त, जेएनयू के प्रो. संतोष कुमार शुक्ल, डॉ. रंगनाथ त्रिपाठी, डॉ. प्राग्रेश मिश्र, डॉ. कुशल नाथ मिश्र आदि मौजूद रहे।

परीक्षा शुल्क जमा करने को आज अंतिम मौका

गोरखपुर। डीडीयू एवं सम्बद्ध कॉलेजों के सत्र 2023-24 (सेमेस्टर परीक्षा) के स्नातक और परास्नातक के जिन छात्र-छात्राओं ने अभी तक परीक्षा शुल्क जमा नहीं किया है, उन्हें अंतिम मौका दिया गया है। कुलपति ने बताया कि 7 अप्रैल शुल्क जमा करें।

कॉलेज अब एडवांस में करा सकेंगे सीट-सेक्शन में वृद्धि

अच्छी खबर

- डीडीयू प्रशासन ने समयबद्ध सत्र संचालन के लिए कॉलेजों को दी बड़ी सुविधा
- मेरिट में पिछड़ने वाले छात्रों को नहीं लगाने होंगे परिवेदन कॉलेज के चक्कर

गोरखपुर, निज संवाददाता। मेरिट के आधार पर प्रवेश में पिछड़ने वाले विद्यार्थियों के लिए राहत की खबर है। सीट वृद्धि के इंतजार में कई अपने पसंदीदा कॉलेज के चक्कर नहीं लगाने होंगे। छात्रों की सुविधाओं को देखते हुए डीडीयू प्रशासन ने निर्णय लिया है कि कॉलेज अपने अनुभव के आधार पर मांग के अनुरूप जल्द से जल्द सीट और सेक्शन वृद्धि के आवेदन कर दें।

डीडीयू से सम्बद्ध कॉलेजों में प्रवेश चार अक्टूबर-नवंबर तक चलता है। इससे कई छात्र तो प्रवेश पाने के कुछ दो दिन बाद किसी कक्षा में पढ़ाई किए बीना परीक्षा देने पहुंच जाते हैं। इससे एसईपी के उद्देश्यों की पूर्ति नहीं हो पाती। इस बार प्रवेश से पहले कुलपति प्रो. पूनम टंडन को इसका पता चला तो उन्होंने इसे लेकर मंथन किया। इसमें कई बातें सामने आईं। सबसे प्रमुख कारण है डीडीयू में सीटों के प्रवेश प्रक्रिया पूरा होना। डीडीयू में प्रवेश नहीं मिलने पर ही ज्यादातर विद्यार्थी कॉलेजों का रुख करते हैं। इसलिए कॉलेजों में प्रवेश प्रक्रिया में देरी होती है। उसके बाद सीट वृद्धि व सेक्शन वृद्धि के लिए आवेदन करने पर डीडीयू प्रशासन फैसले लेने में काफी विलंब कर देता है। इसे देखते हुए कुलपति ने हर हाल में समय से प्रवेश कराने का निर्णय लिया है, ताकि जुलाई से ही नव प्रवेशित छात्रों की कक्षाएं भी शुरू हो सकें। कॉलेज भी बढ़ा सीट वृद्धि और प्रवेश के लिए समय न मांगे, इसीलिए यह निर्णय लिया गया है।

काउंसलिंग के लिए 10 तक करें आवेदन: जो भी कॉलेज डीडीयू की प्रवेश परीक्षा के जरिए अपने यहां प्रवेश लेना चाहते हैं, वे 10 तक आवेदन कर सकते हैं। डीडीयू अपनी प्रवेश परीक्षा के जरिए छात्रों को यह अवसर देता कि वे संबंधित कॉलेज में प्रवेश ले लें। यह कॉलेजों के लिए ऐच्छिक है। डीडीयू प्रशासन ने इसके लिए शुल्क भी निर्धारित किया है।

संस्कृत से रोजगार भी संभव : प्रो. संतोष

गोरखपुर। जवाहरलाल नेहरू केंद्रीय विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के संस्कृत एवं प्राच्य अध्ययन केंद्र के आचार्य प्रो. संतोष कुमार शुक्ल ने कहा कि संस्कृत से रोजगार एवं व्यक्तित्व निर्माण दोनों संभव है। वे शनिवार को डीडीयू के संस्कृत विभाग में आयोजित व्याख्यान को बतौर मुख्य वक्ता संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि संस्कृत भाषा एवं शास्त्र में विशेष योग्यता प्राप्त करने के लिए आवश्यक है कि ग्रंथों का प्रतिदिन पारायण किया जाए तथा भाषा के रूप में संस्कृत का निरंतर प्रयोग हो। इस दौरान पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. कीर्ति पाण्डेय, समन्वयक डॉ लक्ष्मी मिश्रा, डॉ. देवेंद्र पाल, डॉ सूर्यकांत, डॉ. धर्मेंद्र सिंह, डॉ. रंजन लता आदि मौजूद रहे।

Amar Ujala Select Page - 03, 04

नाथपंथ विश्वकोश के लिए बनेगी समिति

गोरखपुर। महायोगी गुरु गोरक्षनाथ शोधपीठ, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की ओर से "नाथपंथ विश्वकोश" निर्माण की योजना और क्रियान्वयन के लिए बैठक आयोजित हुई। इसमें तय हुआ कि नाथ पंथ विश्वकोश के निर्माण के लिए एक सलाहकार समिति बनाई जाएगी। साथ ही विद्वानों की सूची तैयार की जाएगी। यह विश्वकोश हिंदी भाषा में तैयार किया जाएगा। बाद में इसका अनुवाद अन्य भाषाओं में किया जाएगा। वर्णमाला के क्रम में परिभाषित शब्दों का संकलन किया जाएगा। यह विश्वकोश कई खंडों में तैयार किया जाएगा।

प्रवेश से पहले ही कॉलेज करवा सकेंगे सीट वृद्धि

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। पिछले वर्षों में कई कॉलेजों में प्रवेश के पहले चरण में सीट भरने के बाद विद्यार्थियों की मांग को देखते हुए सीट वृद्धि करनी पड़ती थी। इसकी वजह से उनकी पढ़ाई भी प्रभावित होती थी, लेकिन अब कॉलेज पहले ही मांग के अनुसार सीट वृद्धि करा सकेंगे।

विश्वविद्यालय ने सत्र नियमित करने के लिए यह कदम उठाया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने ऐसे सभी कॉलेजों को संभावना के आधार पर एडवांस में सीट व सेक्शन वृद्धि का अवसर दिया है। पहले की प्रक्रिया के अनुसार प्रवेश के पहले चरण में कॉलेजों में यदि किसी पाठ्यक्रम में सीट भरने के बाद भी विद्यार्थियों की मांग रहती थी तो वे उस संबंधित पाठ्यक्रम में सीट व सेक्शन वृद्धि की मांग करते थे।

Swatantra Chetna Page - 07

संस्कृत से रोजगार एवं व्यक्तित्व निर्माण दोनों संभव है: प्रो. संतोष

- संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित हुआ एकल व्याख्यान

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। डीडीयू के संस्कृत विभाग द्वारा शनिवार को एकल व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमे जवाहरलाल नेहरू केंद्रीय विश्वविद्यालय नई दिल्ली के संस्कृत एवं प्राच्यअध्ययन केंद्र के वरिष्ठ आचार्य प्रो. संतोष कुमार शुक्ल ने संस्कृत एवं प्राकृत भाषा विभाग में छात्रों को संबोधित करते हुए कहा की केवल संस्कृत से ही रोजगार एवं व्यक्तित्व निर्माण दोनों संभव है।

संस्कृत भाषा के अध्ययन द्वारा छात्र उन सभी प्रतियोगी परीक्षाओं मे सफल हो सकते हैं जिन परीक्षाओं में अन्य विषयों के अध्ययन से सफलता संभव है जो व्यक्तित्व निर्माण तथा अन्य बहुत से रोजगार के अवसर उपलब्ध कराती है। उन्होंने छात्रों को बताया की संस्कृत भाषा एवं शास्त्र में विशेष योग्यता प्राप्त करने के लिए आवश्यक है कि ग्रन्थों का प्रतिदिन पारायण किया जाये तथा भाषा के रूप में संस्कृत का निरंतर प्रयोग हो छात्रों के लिए यह दोनों ही कार्य उन्हें इस प्राचीन विद्या मे दक्ष करने में परम सहायक होंगे।

संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित इस एकल व्याख्यान में प्रो शुक्ल का परिचय देते हुए समन्वयक डॉ लक्ष्मी मिश्रा और अधिष्ठाता कला संकाय एव विभागाध्यक्ष प्रो .कीर्ति पांडे ने प्रो. शुक्ला का माल्यार्पण एवं उत्तरीय और स्मृतिचिन्ह प्रदान कर विभाग की ओर से स्वागत किया। इस अवसर परविभाग के सभी शिक्षक तथा बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित रहे।

नाथपंथ विश्वकोश निर्माण हेतु आयोजित हुई बैठक

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। महायोगी गुरु श्री गोरक्षनाथ शोधपीठ, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय द्वारा नाथपंथ विश्वकोश निर्माण की योजना एवं क्रियान्वयन हेतु महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गयी। यह बैठक कुलपति प्रो पूनम टण्डन की अध्यक्षता में की गयी। इस बैठक में प्रो० सदानंद गुप्ता, पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ, प्रो० संतोष कुमार शुक्ल, प्रोफेसर, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली, डॉ0 रंगनाथ त्रिपाठी, के साथ महायोगी गुरु श्रीगोरक्षनाथ शोधपीठ के डॉ0 प्रागेश मिश्र, अप निदेशक डॉ0 कुशल नाथ मिश्र, एवम् डॉ0 महेंद्र कुमार सिंह, निदेशक, सूचना, प्रकाशन एवं जनसम्पर्क केंद्र, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय उपस्थित रहे। इस बैठक में प्रो० सदानंद गुप्ता, प्रो० संतोष कुमार शुक्ल ने विश्वकोश के क्रियान्वयन एवं योजना हेतु अपने सुझाव एवं रूपरेखा प्रस्तुत किया। इस बैठक में तय हुआ कि नाथ पंथ विश्वकोश के निर्माण हेतु एक सलाहकार समिति बनाई जाएगी। साथ ही विद्वानों की सूची तैयार की जाएगी।

यह विश्वकोश हिन्दी भाषा में तैयार किया जाएगा। बाद में इसका अनुवाद अन्य भाषाओं में किया जाएगा। वर्णमाला के क्रम में परिभाषित शब्दों का संकलन किया जाएगा। यह विश्वकोश कई खंडों में तैयार किया जाएगा।